

सत्संग शिक्षण परीक्षा

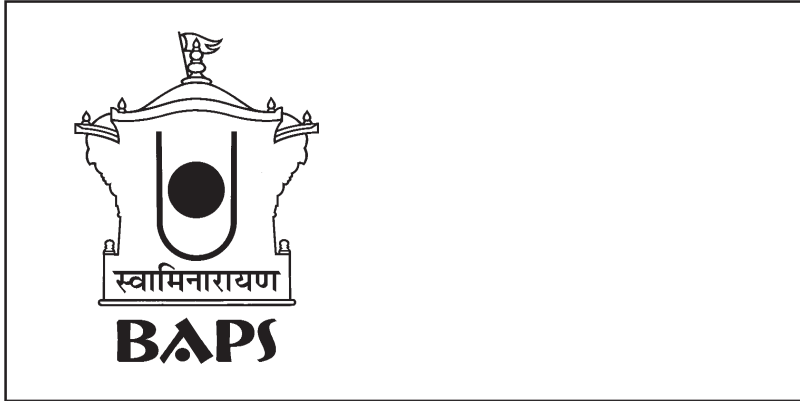
बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय - १

रविवार, १५ जुलाई, २०१२

समय : सुबह ९.०० से ११.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर (गुण) | प्राप्तांक |
|-------------------------|---------------------|------------|
| | १ (९) | |
| | २ (६) | |
| | ३ (५) | |
| | ४ (५) | |
| | ५ (४) | |
| | ६ (४) | |

विभाग-१, कुल गुण (३३)

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर (गुण) | प्राप्तांक |
|-------------------------|---------------------|------------|
| | ७ (९) | |
| | ८ (४) | |
| | ९ (५) | |
| | १० (४) | |
| | ११ (६) | |
| | १२ (४) | |

विभाग-२, कुल गुण (३२)

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर (गुण) | प्राप्तांक |
|-------------------------|---------------------|------------|
| | १३ (१०) | |

विभाग-३, कुल गुण

मोडरेशन विभाग माटे ४

गुण शब्दोंमां
चेकर - नाम

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण →

| | |
|---------|--|
| गुण : १ | |
|---------|--|

 ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid**.
6. Marks for Question →

| | |
|--------|--|
| 1 Mark | |
|--------|--|

 ← Space for Examiner to write marks
7. Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.
11. In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.

विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “ये महान संत हमारे निवास के लिए अक्षरधाम अर्थात् अनादि मूल अक्षरब्रह्म हैं ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

२. “मुझे तो मेरी यह हाड़-चाम की देह अब नरककुण्ड सी लग रही है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

३. “लड़की के विवाह में बहुत खर्च होता है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **३** केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. नायक ने श्रीहरि का चरण स्पर्श करके प्रार्थना की ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २

२. आत्माराम दूसरा ऐसा कुर्ता नहीं बना सके ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

| | | | |
|----------------------------------|-------------|-------|-------|
| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | गुण : प्र-३ | प्र-४ | प्र-५ |
|----------------------------------|-------------|-------|-------|

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. वरताल मंदिर निर्माण के समय पर श्रीहरि क्या करते थे ?

गुण : १

२. श्रीहरि की गुणातीतानंद स्वामी के साथ अंतिम मुलाकात कहा हुई ?

गुण : १

३. श्रीहरि ने एक एक गाँव में शिक्षापत्री की एक-एक प्रति भेजकर क्या आदेश दिया ?

गुण : १

४. श्रीहरि ने भूखे संतों के लिए कौन से गाँव में ठाकुर की इच्छा न होने पर भी भिक्षा माँगी ?

गुण : १

५. श्रीहरि ने कौन से गाँव में काठियों की शोभा बढ़ाई ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. पवित्र वाणी का नियम ।

गुण : २

(१) मुँह में पूँछ के साथ घोड़ी रख ली !

(२) प्रायश्चित्त में पचपन माला फेरना ।

(३) उस मुँह से कुत्सित वचन बोलना शोभा नहीं देता ।

(४) अपशब्द या गाली नहीं बोलेगा ।

२. वरताल में लक्ष्मीनारायण देव की प्रतिष्ठा ।

गुण : २

(१) संवत् १८८२ (२) 'हरिकृष्ण' नाम देकर अपने हाथों अपनी ही मूर्ति स्थापित की ।

(३) कार्तिक शुक्ला चौदश (४) स्वामी अक्षरानंदजी ने निमंत्रण भेजा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. श्रीहरि ने लीमली में की पत्नी को दृष्टि दी ।

गुण : १

२. श्रीहरि ने के हरिभक्तों को अक्षरधाम पुरस्कार में दिया ।

गुण : १

३. भुजनगर में श्रीहरि ने देव की प्रतिष्ठा की ।

गुण : १

४. नड़ियाद में श्रीहरि के भक्तों में भ्रातृभाव की भावना देखकर चकित हो गये ।

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “यह क्या सालेमाल है ? यह तो अक्षरओरड़ी है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....
गुण : ३

२. “यदि दुष्ट अपना स्वभाव नहीं छोड़ता तो भला व्यक्ति अपनी भलाई क्यों छोड़े ?”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....
गुण : ३

३. “इसे बाहर चरने मत भेजो ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....
गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. जीवाखाचर की मन की मन में ही रह गई ।

.....

.....

.....

.....
गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. शास्त्रार्थ में भाग लेने आये हुए पंडितों ने नित्यानंद स्वामी के लिए क्या कहा ?

गुण : १

२. प्रेमानंद स्वामी के रचे हुए दो ग्रंथों का नाम दीजिए ।

गुण : १

३. धुनकिया के पुत्र ने महाराज को क्या कहा ?

गुण : १

४. आचार्य अयोध्याप्रसादजी स्वभाव के कैसे थे ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : मूलजीभाई को जीवन की निस्सारता समझ में आई ।

१. एक यजमान की पुत्री को उसकी ससुराल से पीहर पहुँचाने का काम उनके पिता ने मूलजी को सौंपा । २. उनका जन्म झींझावदर गाँव में हुआ था । ३. उस लड़की की कामाग्नि भड़की । ४. इन सभी सेवाओं को करते हुए भी देवजीभाई श्रीजीमहाराज से एकरस रहते थे । ५. उनके पिता भिक्षावृत्ति का काम कर पालनपोषण करते थे । ६. डरो मत यहाँ कोई भय नहीं है, जाओ और शान्ति से सो जाओ । ७. ऐसे जीवन की निस्सारता उनकी समझ में आई । ८. श्रीजीमहाराज के लिए भोजन तैयार करने से लेकर रात्रि को शयन करने तक पूरा ध्यान रखते हुए महाराज की सेवा करते थे । ९. मैं जीवनभर ब्रह्मचारी रहकर भगवान का भजन करूँगा । १०. वे लक्ष्मणजी जैसे जति और नैष्ठिक ब्रह्मचारी थे । ११. वे तुरन्त उसका भाव ताड़ गये । १२. यजमानने मूलजीभाई के साथ अपनी कन्या को उसके पीहर जाने की अनुमति दे दी ।

(१) केवल सही क्रमांक गुण : ३

(२) यथार्थ घटनाक्रम गुण : ३

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

